भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
औषध विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 4670
दिनांक 28 मार्च, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

महाराष्ट्र में जन औषधि केन्द्र

4670. श्री ओमप्रकाश भूपालसिंह उर्फ पवन राजेनिंबालकरः
श्री संजय उत्तमराव देशमुखः

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में विशेषकर वाशिम, यवतमाल और उस्मानाबाद संसदीय निर्वाचन क्षेत्र सहित महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों में कार्यशील जन औषधि केन्द्रों की संख्या कितनी है;
(ख) क्या सरकार का देश में और अधिक जन औषधि केन्द्र स्थापित करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्यवार ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके कारण क्या हैं;
(ग) विगत पांच वर्षों के दौरान महाराष्ट्र में विशेष रूप से उस्मानाबाद में जन औषधि केन्दों पर व्यय किए गए बजट का वर्षवार ब्यौरा क्या है;
(घ) वर्ष 2025-26 के दौरान देश में खोले जाने वाले प्रस्तावित जन औषधि केन्द्रों की संख्या कितनी है और साथ ही उस्मानाबाद जिले सहित महाराष्ट्र का जिलावार ब्यौरा क्या है;
(ङ) क्या सरकार ने इन जन औषधि केन्द्रों के माध्यम से महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार के लिए कोई कदम उठाए हैं; और
(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री (श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क): प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के अंतर्गत दिनांक 28.2.2025 तक देश भर में कुल 15,057 जन औषधि केंद्र (जेएके) खोले जा चुके हैं, जिनमें से 708 जेएके महाराष्ट्र राज्य में हैं, जिनमें वाशिम यवतमाल संसदीय क्षेत्र में 19 जेएके और उस्मानाबाद संसदीय क्षेत्र में 15 जेएके शामिल हैं। उक्त तिथि तक राज्य में खोले गए जेएके की जिला-वार संख्या अनुलग्नक में दी गई है।

(ख): सरकार ने मार्च 2027 तक देश भर में 25,000 जेएके खोलने का लक्ष्य रखा है। नए जेएके खोलने के लिए कोई राज्य-वार लक्ष्य नहीं है।

(ग): योजना के अंतर्गत कोई राज्यवार या केंद्र शासित प्रदेश-वार बजट आवंटन नहीं है।

(घ): सरकार ने मार्च 2026 तक पूरे देश में 20,000 जेएके खोलने का निर्णय लिया है। कोई जिला-वार लक्ष्य नहीं है।

(ङ) और (च): महिलाओं और बच्चों सहित देश के लोगों के स्वास्थ्य में सुधार को बढ़ावा देने के जन औषधि केन्द्रों के तरीकों के संबंध में विवरण इस प्रकार हैं:

(i) योजना के उत्पाद टोकरी के अंतर्गत 2,047 प्रकार की दवाइयाँ और 300 शल्य चिकित्सा, चिकित्सा उपकरण और उपभोग्य वस्तुएँ हैं, जिनके अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) प्रमुख ब्रांडेड दवाओं की तुलना में लगभग 50% से 80% तक सस्ते हैं।

(ii) महिलाओं के लिए किफायती मूल्य पर मासिक धर्म स्वास्थ्य सेवाओं की आसान उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए, 1 रुपए प्रति पैड की दर से जन औषधि सुविधा सैनिटरी नैपकिन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। दिनांक 28.2.2025 तक, 74.50 करोड़ से अधिक ऐसे पैडों की बिक्री की जा चुकी है।

(iii) औसतन 10 से 12 लाख लोग प्रतिदिन जन औषधि केंद्रों पर आते हैं और किफायती कीमतों पर गुणवत्तापूर्ण दवाइयाँ प्राप्त करते हैं।

(iv) पिछले 10 वर्षों में, एमआरपी के संदर्भ में 6,975 करोड़ रुपए के मूल्य की दवाइयों की बिक्री जेएके के माध्यम से की गई है, जिसके परिणामस्वरूप ब्रांडेड दवाओं के मूल्यों की तुलना में नागरिकों को लगभग 30,000 करोड़ रुपए की बचत होने का अनुमान है।

अनुलग्नक

महाराष्ट्र में जन औषधि केंद्र के संबंध में श्री ओमप्रकाश भूपालसिंह उर्फ पवन राजेनिंबालकर और श्री संजय उत्तमराव देशमुख द्वारा पूछे जाने वाले दिनांक 28.3.2025 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 4670 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

दिनांक 28.2.2025 की स्थिति के अनुसार खोले गए जन औषधि केन्द्र

क्र.सं.	जिला	खोले गए जन औषधि केन्द्र
1	अहमदनगर	14
2	अकोला	13
3	अमरावती	12
4	छत्रपति संभाजीनगर	13
5	बीड	29
6	भंडारा	4
7	बुलढाना	32
8	चंद्रपुर	5
9	धुले	6
10	गडचिरोली	1
11	गोंदिया	8
12	हिंगोली	8
13	जलगांव	15
14	जलना	31
15	कोल्हापुर	22
16	लातूर	49
17	मुंबई	69
18	मुंबई उपनगर	13
19	नागपुर	17
20	नांदेड़	26
21	नंदुरबार	4
22	नासिक	29
23	धाराशिव	15
24	परभनी	17
25	पुणे	50
26	रायगढ़	10
27	रत्नागिरि	4
28	सांगली	29
29	सतारा	17
30	सिंधुदुर्ग	3
31	सोलापुर	29
32	थाणे	60
33	वर्धा	4

34	वाशिम	7
35	यवतमाल	12
36	पालघर	31
कुल		**708**

*****